

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2015

**MESE-058 : EDUCATIONAL AND VOCATIONAL
GUIDANCE AND COUNSELLING**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

Note : (i) All questions are compulsory.

(ii) All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the characteristics and responsibilities of an effective counsellor.

OR

How guidance is a team approach ? Discuss the role of counsellor, principal and teachers in developing and improving guidance services in the school.

2. Answer the following question in about **600** words :

Discuss nature and role of guidance at various levels of schooling.

OR

Analyse counselling needs at different stages of development.

3. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) Teacher as a guidance functionary
 - (b) Adolescence is a stage of emotional "turmoil" - Elaborate.
 - (c) What is Norm ? Describe Age, Grade, and Criterion Referenced Norms.
 - (d) How sociometric results can be tabulated ? State one example and discuss.
 - (e) Explain stress reducing techniques for counselling.
 - (f) Various uses of assessment data for counsellors.

4. Answer the following question in about **600** words :

Justify the need of research and evaluation on guidance and counselling. Explore the areas of guidance and counselling in which research work should be undertaken to deal the adolescents.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.ई.एस.ई.-058 : शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन
और परामर्श

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
प्रभावी परामर्शदाता (effective counsellor) की विशेषताओं
और उत्तरदायित्वों की चर्चा कीजिए।

अथवा

मार्गदर्शन किस प्रकार एक समूह/टीम उपागम
(team approach) है? विद्यालय में मार्गदर्शन सेवाओं के
विकास एवं उनमें सुधार लाने में परामर्शदाता, प्रधानाचार्य और
शिक्षकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
विद्यालयी शिक्षा के विविध स्तरों पर मार्गदर्शन की प्रकृति और
भूमिका की चर्चा कीजिए।

अथवा

विकास के विभिन्न स्तरों पर परामर्श की अपेक्षाओं (Needs)
का विश्लेषण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में प्रति उत्तर दीजिए।

- (a) एक मार्गदर्शन अधिकारी/कार्यकर्ता (Guidance functionary) के रूप में शिक्षक।
- (b) किशोरावस्था एक संवेगात्मक “अशांति/विक्षोभ (Turmoil)” की अवस्था है। सविस्तार प्रतिपादन कीजिए।
- (c) मानक (Norm) क्या है? आयु (Age), श्रेणी/वर्ग, (grade) और मानक संदर्भित मानकों (Criterion Referenced Norms) का वर्णन कीजिए।
- (d) समाजमितीय (Sociometric) परिणामों को किस प्रकार सारणीबद्ध (Tabulated) किया जा सकता है? एक उदाहरण दीजिए और चर्चा कीजिए।
- (e) परामर्श के लिए तनाव/दबाव (Stress) कम करने की तकनीकों की व्याख्या कीजिए।
- (f) परामर्शदाताओं के लिए मूल्यांकन आँकड़ों/दत्तों (Assessment data) के विविध उपयोग।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

मार्गदर्शन और परामर्श में अनुसन्धान और मूल्यांकन की आवश्यकता को न्यायसंगत ठहराइये। मार्गदर्शन और परामर्श के उन क्षेत्रों का गवेषण (explore) कीजिए जिनमें अनुसन्धान कार्य को किशोरों की समस्याएँ सुलझाने के लिए किया जाना चाहिए।